देश में 1985-86 के दौरान निम्नलिखित 5 एककों के लगभग एक लाख कारों के निर्माण की आशा है :—

कम्पनी का नाम	विदेशी सहयोगी
1. मारुति उद्योग लिमिटेड . . .	सुजुकी मोटर कम्पनी, जापान
2. हिन्दुस्तान मोटर्स लि० . . .	इसूजू मोटर कम्पनी, जापान
3. प्रीमियर आटोमोबाइल्स लि० . .	निसान मोटर कम्पनी, जापान
4. सिपानी आटोमोबाइल्स लि० . . .	रेलिएन्ट मोटर कम्पनी, ब्रिटेन
5 स्टैन्डर्ड मोटर प्रोडक्ट्स आफइन्डिया लिमिटेड	आस्टिन रोवर, ब्रिटैन

इन समस्त कम्पनियों के विदेशी सहयोगी है । यद्यपि पिछले कुछ समय में अन्य स्रोतों से आयातित प्रौद्योगिकी के आधार पर कुछ माडलों का उत्पादन किया गया है ।

(ग) मारुति उद्योग लिमिटेड कारों के निर्यात की सम्भावना का पता लगा रहा है । अभी तक किसी ठेके पर अन्तिम रुप से निर्णय नहीं लिया गया ।

स्पंज आयरन प्रोजेक्ट के लिए गैस का आवंटन

210. **श्री मीर्जा इर्शादबेग :** क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गुजरात सरकार ने स्पोंज आयरन प्रोजेक्ट के लिए गैस के आबंटन हेतु अनुरोध किया है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ख) इस मांग को पूरा करने के लिए सरकार को कितना समय लगेगा जिससे कि गुजरात सरकार 1000 करोड़ रुपय की लागत वाली इस परियोजना को आरम्भ कर सके ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री नवल किशोर शर्मा) : (क) और (ख) गुजरात ने अपनी प्रस्तावित स्पोंज आयरन योजना के लिये 0.50 मिलियन क्यूबिक मीटर प्रतिदिन के हिसाब से प्राकृतिक गैस के आबंटन के लिय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय से निवेदन किया है । ओ०एन०जी० सी० द्वारा बम्बई हाई तथा साउथ बेसिन से प्राकृतिक गैस के वर्तमान व अनुमानित उत्पादन तथा वरीयता प्राप्त क्षेत्रो के उपभोक्ताओं को की जा रही आपूर्ति व उनकी भावी आवश्यकताओं के लिये पहले से ही वचनबद्ध नियमित रुप से की जाने वाली आपूर्ति को ध्यान में रखते हुए गुजरात सरकार को यह सूचित किया गया है कि इस समय गुजरात सरकार के प्रस्तावित स्पंज आयरन संयंत्र को नियमित रुप से गैस की आपूर्ति करना व्यवहारिक प्रतीत नहीं होता है ।

Demands of Daily wage workers of P and T Department

211. SHRI BHAGATRAM MANHAR: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a dharna was held outside the Sanchar Bhawan with effect from the 16th September 1985 by over 5000 daily wage workers of the Posts & Telegraphs Department to press their demands; and

(b) if so, what were their demands and what is Government's decision/reaction in respect of each of these demands?